

कुम्भ्याः सेवस्तरेपित ५० नारदः षष्ठमास्यहमेवापिपुंसंस्त्रीणां तुपंचमे सप्तमेमासिवाकाव्येनवान्नप्राशनेबुधैः जन्मतोहरेः च
शिवः विष्णुः रुद्रः किरणोहिमरस्मिवायुमित्रचरुणादितिचित्राः अश्विनिधिवसुपोष्मभरोहिरण्यनराश्वशिभुभोजन
नारा ५२ नक्षत्राद्येऽन्यनक्षत्रग्रहणाम् दस्तोयिणायाश्विमेधेऽमूलस्वातीश्रुवित्रादिति विष्णुपूषाशस्तान्नपानेप्र
थमेशिभुनां वारेषु सूर्य्य सुवहस्यतीनाम् तिथिषु दो नारदः द्वितीयाचतृतीयाचपंचमीसप्तमीतथा त्रयोदशी
चदशमीप्राशनेतिथियः शुभाः ५४ पंचमवेसुनंदायोरित्तायाभाद्यभोजनम् वालानामायुबोहोतिसप्तम्यं चेति केचन
५५ षष्ठवेधनचोलान्नप्राशनेचोपनयने शुभदंजमनक्षत्रमशुभं त्वथकर्मणि ५६ राजमातुं तं डाह्यग्रशुद्धिः लाभत्रिष
दिभवनेपगतास्त्वसौम्यासोमगृहानवपंचमकंठकथा लग्नेषुदैत्यशाचिवृजवहस्यतिनामानोपभोगकररोवि
यधोयभीक्ता ५७ अथकर्णवेधः गर्गः मालिष्यसप्तमेवाप्रहमेवायिवासरे कर्णवेधं प्रशंसंति शुक्लपक्षे शुभेदि
ने ५८ बालहारेपचथात् नजन्ममासेनचेत्रपौषेनभाद्रसेनेनहरेप्रसुते तिथोनारक्तेनचविषदुष्टेकर्णस्यवे
धं मुनयोवदंति ५९ अत्रचेत्रस्यनिषेधः मिनाकविषयोधनुनिषेधेविषयश्चपौषेगादरायणः मूलेचाश्विनीधात
विजसहितेहस्तेत्रिपूर्वातथाचाद्रेतिष्यपुनर्वसोशतिभिषावारेतिथोशोभने लग्नेसौम्यपुतेतथास्थिरगृहेपहसिते
वानतः केन्द्रेषुक्रवहस्यतिशुभकशेकर्णस्यवेधस्मृतः ६१ अथचुडाकलीगुरुः तृतीयेद्वेशिशोगर्भाजन्मतोवाविशेष
शितः पंचमेसप्तमेवापिस्त्रिधापुंसोयवपनम् ६२ तिथिषु दोपराशरः पंचमीसप्तमीचैव द्वादश्येकादशीतथा त्रयो
दशीतृतीयाचतसोरकर्मशुभावहः ६३ वारशुद्धिः निधेयंसौम्यवारेषुसौरपक्षद्वयेहितम् इत्युवाचशितेपक्षेवा

जाम्बितथापुष्पादिवौक स्मिन् तथा चलातामिह पक्ष्मनाग्निप्राप्तो न कुर्वीताहिताय नित्यम् ३८ अथ देवतारो
 हनगुरुः दोलाशोहस्तु कर्तव्यो द्वादशोदशमेपि वा षोडशोदिवसे वा पि द्वात्रिंशदिवसेपि वा ३९ अभीष्टे दि
 वसे चैव चंद्रताशवलान्विते मृदु ध्रुवक्षिप्रमेघमातावाकुलयोधितः ४० योगशास्त्रिहर्षिस्मत्ता प्रा
 कशीर्ष्विन्न्यसे शिशुः अर्धदीपकायां निष्क्रमणम् आद्राधो मुखवर्जितामुपहते पक्षे यदिते तित्यो वा
 रेभौमशानीतरे छटतुला कन्याऽलिखिंहोदये संदृष्टे यद्यतुर्थमास्ति यदि वा मासे तृतीये शान्तिन्य
 दीशो शुभदंष्ट्रिणो रथग्रहान्निःकासनं कारयेत् ४१ अथ संहितादिपके जलपूजनं अश्विन्या च तथा पौर्ण
 मस्ये प्रथमे वैष्णवे जलपूजा च नारीणां नित्यं संपद्यते मुखं ४२ अथ तां कुलदानं राजमासं डात् मूलादिति
 दुरिणातिष्णकरोत्तरासु पौष्णाश्च विष्णु रजनीकरः शक्रमेघः धारेषु जीवशाशिशुकरौ नृजानुं तां कुल
 भक्षणाविधिः कथितः शिशुनां ४४ अथ भूम्युपवेशनं व्यास पंचमे च तथा मासिभूमे तमुपवेशयेत्
 तत्र शस्ता गृहसर्वे भूम्या रामविशेषतः ४५ तिथिं विवर्जयेद्रिक्ताशस्तानिष्टतमानि मे उत्तरात्तृतीयं सो
 म्यं पुष्यदंशक्रदेवतं ४६ प्रजापत्यं च रुक्मं च शक्रात्मिष्ठिनमिन्नभम् ४७ यादाहं पूजयेन्नात्र पुष्टिर्विध
 तथा द्विजान् पूजनं पूर्ववच्चान्तरुदेव द्विजान्नां ४८ भूमभागमुपलिप्याथ कृत्वा तत्र तु मंडलम् शंखपुण्या
 रुपावेन भूमौ तुमुपवेशयेत् ४९ मंत्राश्चात्र भवन्तीति तानि निगदतः ५० मंत्रं यद्विस्तारमयान् मंत्रान्म
 या नोदाहृता किल ५१ अथ जयान् प्राशनं गीः ५२ मंत्रं प्रकुर्वीत बालकस्या न भोजनम् तदा भावेष्टमे मासि

1797
 1798
 1799
 1800
 1801
 1802
 1803
 1804
 1805
 1806
 1807
 1808
 1809
 1810
 1811
 1812
 1813
 1814
 1815
 1816
 1817
 1818
 1819
 1820
 1821
 1822
 1823
 1824
 1825
 1826
 1827
 1828
 1829
 1830
 1831
 1832
 1833
 1834
 1835
 1836
 1837
 1838
 1839
 1840
 1841
 1842
 1843
 1844
 1845
 1846
 1847
 1848
 1849
 1850
 1851
 1852
 1853
 1854
 1855
 1856
 1857
 1858
 1859
 1860
 1861
 1862
 1863
 1864
 1865
 1866
 1867
 1868
 1869
 1870
 1871
 1872
 1873
 1874
 1875
 1876
 1877
 1878
 1879
 1880
 1881
 1882
 1883
 1884
 1885
 1886
 1887
 1888
 1889
 1890
 1891
 1892
 1893
 1894
 1895
 1896
 1897
 1898
 1899
 1900
 1901
 1902
 1903
 1904
 1905
 1906
 1907
 1908
 1909
 1910
 1911
 1912
 1913
 1914
 1915
 1916
 1917
 1918
 1919
 1920
 1921
 1922
 1923
 1924
 1925
 1926
 1927
 1928
 1929
 1930
 1931
 1932
 1933
 1934
 1935
 1936
 1937
 1938
 1939
 1940
 1941
 1942
 1943
 1944
 1945
 1946
 1947
 1948
 1949
 1950
 1951
 1952
 1953
 1954
 1955
 1956
 1957
 1958
 1959
 1960
 1961
 1962
 1963
 1964
 1965
 1966
 1967
 1968
 1969
 1970
 1971
 1972
 1973
 1974
 1975
 1976
 1977
 1978
 1979
 1980
 1981
 1982
 1983
 1984
 1985
 1986
 1987
 1988
 1989
 1990
 1991
 1992
 1993
 1994
 1995
 1996
 1997
 1998
 1999
 2000
 2001
 2002
 2003
 2004
 2005
 2006
 2007
 2008
 2009
 2010
 2011
 2012
 2013
 2014
 2015
 2016
 2017
 2018
 2019
 2020
 2021
 2022
 2023
 2024
 2025
 2026
 2027
 2028
 2029
 2030
 2031
 2032
 2033
 2034
 2035
 2036
 2037
 2038
 2039
 2040
 2041
 2042
 2043
 2044
 2045
 2046
 2047
 2048
 2049
 2050
 2051
 2052
 2053
 2054
 2055
 2056
 2057
 2058
 2059
 2060
 2061
 2062
 2063
 2064
 2065
 2066
 2067
 2068
 2069
 2070
 2071
 2072
 2073
 2074
 2075
 2076
 2077
 2078
 2079
 2080
 2081
 2082
 2083
 2084
 2085
 2086
 2087
 2088
 2089
 2090
 2091
 2092
 2093
 2094
 2095
 2096
 2097
 2098
 2099
 2100
 2101
 2102
 2103
 2104
 2105
 2106
 2107
 2108
 2109
 2110
 2111
 2112
 2113
 2114
 2115
 2116
 2117
 2118
 2119
 2120
 2121
 2122
 2123
 2124
 2125
 2126
 2127
 2128
 2129
 2130
 2131
 2132
 2133
 2134
 2135
 2136
 2137
 2138
 2139
 2140
 2141
 2142
 2143
 2144
 2145
 2146
 2147
 2148
 2149
 2150
 2151
 2152
 2153
 2154
 2155
 2156
 2157
 2158
 2159
 2160
 2161
 2162
 2163
 2164
 2165
 2166
 2167
 2168
 2169
 2170
 2171
 2172
 2173
 2174
 2175
 2176
 2177
 2178
 2179
 2180
 2181
 2182
 2183
 2184
 2185
 2186
 2187
 2188
 2189
 2190
 2191
 2192
 2193
 2194
 2195
 2196
 2197
 2198
 2199
 2200
 2201
 2202
 2203
 2204
 2205
 2206
 2207
 2208
 2209
 2210
 2211
 2212
 2213
 2214
 2215
 2216
 2217
 2218
 2219
 2220
 2221
 2222
 2223
 2224
 2225
 2226
 2227
 2228
 2229
 2230
 2231
 2232
 2233
 2234
 2235
 2236
 2237
 2238
 2239
 2240
 2241
 2242
 2243
 2244
 2245
 2246
 2247
 2248
 2249
 2250
 2251

[illegible]